प्रैस विज्ञप्ति

कुसुमांजलि फाउंडेशन, नई दिल्ली अपने पाँचवें हिन्दी एवं मलयालम भाषा के कुसुमांजलि साहित्य सम्मान विजेताओं के नामों की घोषणा की है।

वर्ष 2016 के लिए हिन्दी भाषा का **कुसुमांजलि साहित्य सम्मान** हिन्दी की प्रतिष्ठित लेखिका **डॉ. कुसुम खेमानी के उपन्यास 'लावण्य देवी'** को प्रदान किया गया है। डॉ. कुसुम खेमानी अपने साहित्यिक अवदान एवं सामाजिक कार्यों के लिए जानी जाती हैं। उनके कथा साहित्य का केन्द्रीय भाव नारी जीवन के विविध पक्षों को उभारना रहा है। अब तक उनके अनेक उपन्यास, कथा संग्रह, यात्रा वृत्तांत, आलोचनात्मक लेख एवं बच्चों के लिए महत्वपूर्ण रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ. खेमानी पिछले 30 वर्षों से भारतीय भाषा परिषद की सचिव हैं एवं वे परिषद की पत्रिका 'वागर्थ' की सम्पादिका भी हैं।

मलयालम भाषा के लिए वर्ष 2016 का कुसुमांजलि साहित्य सम्मान मलयालम भाषा के जाने–माने साहित्यकार **श्री एम.पी. वीरेन्द्र कुमार को उनके यात्रा वृत्तांत 'डेन्यूब साक्षी'** के लिए प्रदान किया गया है।

श्री एम.पी.वीरेन्द्रकुमार पिछले छह दशकों से केरल के साहित्यिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य से गहराई के साथ जुड़े हुए हैं। वे सन् 1979 से मलयालम की प्रसिद्ध समाचार संस्था 'मातृभूमि' के प्रबंधन से भी जुड़े हैं। उनकी अब तक 21 साहित्यिक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं तथा उन्हें साहित्य अकादमी, (केन्द्रीय) एवं केरल साहित्य अकादमी सहित अन्य अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

कुसुमांजलि साहित्य सम्मान के अन्तर्गत 2.50 लाख रूपये, प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किया जाता है। कुसुमांजलि साहित्य सम्मान की शुरुआत 2011 में प्रसिद्ध हिंदी लेखिका डॉ. कुसुम अंसल द्वारा कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन और सहयोग देने के उद्देश्य से की गयी थी। कुसुमांजलि फाउंडेशन को अंसल ए.पी.आई का सहयोग प्राप्त है।

इन दोनों राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए उपन्यास, कहानी, कविता एवं नाटक जैसी सभी विधाओं की रचनाओं पर विचार किया जाता है। इन दो सम्मानों में से एक सम्मान हिन्दी भाषा के लिए है तथा दूसरा सम्मान भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित भाषाओं में से किसी एक भाषा की कृति को प्रदान किया जाता है।

वर्ष 2016 की हिन्दी सम्मान चयन समिति के सदस्य श्री आलोक मेहता; (अध्यक्ष), डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, श्रीमती मृदुला गर्ग एवं प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण थे। मलयालम चयन समिति में डॉ. सी. राधाकृश्णन (अध्यक्ष), श्री के जय कुमार एवं डॉ एम.थॉमस मैथ्यु सदस्य के रूप में थे।

कुसुमांजलि फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. इन्द्रनाथ चौधरी हैं। अन्य सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं– प्रो. सैयद भााहिद मेहदी, श्रीमती कुसुम अंसल, श्रीमती सुनीता जैन, श्री काशीनाथ मेमानी, श्रीमती अर्चना लूथरा, श्री नरेन्द्र मोहन, एवं डॉ. एच.के.कौल (सदस्य–सचिव)।

उपरोक्त दोनों सम्मान दिनांक 1 अगस्त, 2016 को सायं 6.00 बजे इण्डिया इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली के मुख्य सभागार में प्रो. लोकेश चन्द्र, अध्यक्ष, भारतीय संबंध परिषद द्वारा प्रदान किए गए हैं।

नई दिल्ली : 1 अगस्त, 2016

डॉ. एच.के.कौल
सदस्य–सचिव
कुसुमांजलि फाउंडेशन